SECOND SEMESTER
Assignment no - 3
Std. -V Ch: 9 स: कलमेन लिखति

गृह कार्य अपने संस्कृत कॉपी में करें:-
1. पाठ के शब्दार्थ को लिखें ।
2. संस्कृत वाक्यों का हिंदी अनुवाद करें:-
क. बालक: क्रीडति ।
बालक खेलता है ।

स: कन्दुकेन क्रीडति ।
वह गेंद से खेलता है ।

बालक: केन क्रडति ?
बालक किस से खेलता है।

स: कन्दुकेन क्रीडति ।
वह गेंद से खेलता है

ख. रोहित: विद्यालयम् गच्छति ।
रोहित विद्यालय को जाता है।

स: कथम् विद्यालयम् गच्छति ?
वह कैसे विद्यालय को जाता है।

स: बसयानेन विद्यालयं गच्छति।
वह बस द्वारा स्कूल जाता है।
(पाठ में दिए गए किसी भी एक भाग को लेकर अनुवाद करें) ।
पाठ में दिए गए अभ्यास भाग को अपने पुस्तक में ही लिखें ।

शब्दार्थाः

कन्दुकेन	गेंद से	with a ball	केन सह	किसके साथ	with whom
केन	किससे/किसके द्वारा	with what	मित्रेण सह	मित्र के साथ	with a friend
कथम्	कैसे	how	प्रतिदिनम्	हर रोज़	everyday
बसयानेन	बस द्वारा	by bus	आवाम् क्रीडावः	हम दोनों खेलते हैं	both of us play
लेखम्	लेख (को)	essay/ composition	हस्तेन	हाथ से	with hand
कलमेन	कलम से	with a pen	आनन्देन	मज़े से	happily
ध्यानेन	ध्यान से	attentively	दण्डेन	लाठी/छड़ी से	with a stick
अनुरागेण सह	अनुराग के साथ	with Anurag			

अवधेय-प्रयोगः अव्ययः — कथम्। | धातुः — चल्।

अभ्यासः

मौखिकम्

उच्चारणं कुरुत।

(उच्चारण कीजिए। Read it out.)

कन्दुकेन, बसयानेन, कलमेन, ध्यानेन, मित्रेण, हस्तेन, दण्डेन, आनन्देन, केन, कथम्।

लिखितम्

1. उदाहरणम् पठत वाक्यानि च पूरयत।

(उदाहरण पढ़िए और वाक्य पूरे कीजिए। Read the example and complete the sentences.)

उदाहरणम्*—

1. **सः** बसयानेन **गच्छति**।
2. **त्वम्** बसयानेन **गच्छसि**।
3. **अहम्** बसयानेन **गच्छामि**।

(क) 1. सः कलमेन लिखति।

2. त्वम् कलमेन लिखसि।
3. अहम् कलमेन लिखामि

(ख) 1. सः कन्दुकेन क्रीडति।

2. त्वम् कन्दुकेन क्रीडसि।
3. अहम् कन्दुकेन क्रीडामि।

* छात्र इस ओर ध्यान दें कि **कर्त्तापद बदलने पर केवल क्रियापद में रूपान्तर आता है,** वाक्य के किसी अन्य पद में नहीं; यथा—'बसयानेन' (बस द्वारा) में कोई रूपान्तर नहीं आया।

2. पाठम् आधृत्य उत्तरं लिखत।

(पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए। On the basis of the text, write the answers.)

कः कन्दुकेन क्रीडति ?

1. बालकः **केन** क्रीडति ?
2. रोहितः **कथं** विद्यालयं गच्छति ?
3. रोहितः **केन** लेखं लिखति ?
4. अर्णिका **केन सह** क्रीडति ?
5. युवाम् **कथम्** खेलथः ?

बालकः —उदाहरणम्

कन्दुकेन

बसयानेन

कलमेन

अनुजेन

आनन्देन

3. मञ्जूषातः उचितपदेन रिक्तस्थानं पूरयत।

(मञ्जूषा से उचित पद द्वारा रिक्त स्थान भरिए। Fill in the blank spaces with the suitable word from the box.)

हस्तेन, लिखामि, ध्यानेन, कलमेन, क्रीडामि।

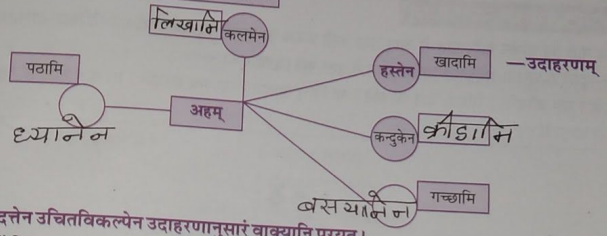

4. कोष्ठकप्रदत्तेन उचितविकल्पेन उदाहरणानुसारं वाक्यानि पूरयत।

(कोष्ठक में दिए गए उचित विकल्प से उदाहरणानुसार वाक्य पूरे कीजिए। Following the example complete the sentences given in the bracket.)

अहं **हस्तेन** भोजनं खादामि। **(हस्तम्, हस्तेन) —उदाहरणम्**

1. सः ध्यानेन पाठं पठति। **(ध्यानम्, ध्यानेन)**

2. अर्णवः मित्रेण सह खेलति। **(मित्रम्, मित्रेण)**

3. किं त्वम् कन्दुकेन क्रीडसि ? **(कन्दुकम्, कन्दुकेन)**

4. अनुभा अनुजेन सह क्रीडति। **(अनुजः, अनुजेन)**

5. जनाः रेलयानेन गच्छन्ति। **(रेलयानेन, रेलयानम्)**

सः कलमेन लिखति

5. कर्तृपदम् बहुवचने परिवर्त्य वाक्यानि पुनः लिखत।
(कर्तापद को बहुवचन में बदलकर वाक्य पुनः लिखिए। Rewrite the sentence after changing the subject to plural.)

सः विद्यालयम् गच्छति। ते विद्यालयं गच्छन्ति*। —उदाहरणम्

1. छात्रः ध्यानेन पठति। छात्राः ध्यानेन पठन्ति।
2. अहम् आनन्देन खेलामि। वयम् आनन्देन खेलामः।
3. त्वम् बसयानेन गच्छसि। यूयम् बसयानेन गच्छथ।
4. बालकः कन्दुकेन क्रीडति। बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति।
5. सा जनकेन सह गच्छति। ताः जनकेन सह गच्छन्ति।

पाठसंगतम् परीक्षणम्

छात्र पाठ का वाचन करें। पाठ में आए तथा उसी प्रकार के अन्य लघु प्रश्नोत्तरों का मौखिक-अभ्यास करें। एक-दूसरे से अथवा अध्यापक प्रत्येक छात्र से प्रश्न पूछें। उदाहरणतः—
त्वं केन सह क्रीडसि ? रोहितः केन क्रीडति ? सा किम् खादति ? सा कथं खादति ? त्वं कथं खादसि ? इत्यादि। सरल वाक्य में उत्तर दें।

❖❖❖

* ध्यान रहे— वाक्य में क्रियापद का रूप कर्तापद के वचन/पुरुष (प्र०पु०, म०पु०, उ०पु०) पर निर्भर करता है।

नवमः पाठः

सः कलमेन लिखति

बालकः क्रीडति।
सः **कन्दुकेन** क्रीडति।
बालकः **केन** क्रीडति?
सः **कन्दुकेन** क्रीडति।

रोहितः विद्यालयं गच्छति।
सः **कथम्** विद्यालयं गच्छति?
सः **बसयानेन** विद्यालयं गच्छति।

सः लेखं लिखति।
सः **कलमेन** लिखति।
सः **ध्यानेन** पठति।

अर्णिका क्रीडति।
अनुरागः अपि क्रीडति।
अर्णिका **अनुरागेण सह** क्रीडति।
तौ प्रतिदिनं क्रीडतः।

त्वं **केन सह** क्रीडसि?
अहं **मित्रेण सह** क्रीडामि।
आवाम् **आनन्देन** क्रीडावः।

अर्णिका भोजनं खादति।
सा कथं खादति?
सा **हस्तेन** खादति।

वृद्धः चलति। सः **दण्डेन** चलति।

अध्यापन संकेत— पाठ में आए करणकारक तृतीया विभक्ति के पदों का उच्चारण करवाएँ। वाक्य-प्रयोग के आधार पर छात्रों को समझाएँ कि ये सब पद 'से'/'के द्वारा' के अर्थ में प्रयुक्त हुए हैं और वाक्य में आई क्रिया के साधन हैं। कन्दुकेन (गेंद से) मूल शब्द 'कन्दुक' का ही रूप है और 'क्रीडति' (खेलता है) क्रिया का साधन है। वाक्यों का वाचन छात्रों द्वारा करवाकर अभ्यास करवाएँ।